हरियाणा में सबसे कम लिंगानुपात दर्ज

चर्चा में क्यों?

हरियाणा सरकार के अनुसार, कन्या भ्रूण हत्या के लिये बदनाम हरियाणा का जन्म के समय लिंगानुपात (SRB) **आठ वर्षों में अपने सबसे निचले स्तर पर पहुँच गया** है।

मुख्य बिंदु

- **हरियाणा में लिंगानुपात में गिरावट:**
  - **हरियाणा में 2024 के पहले 10 महीनों के लिये** लिंगानुपात 905 दर्ज किया गया, जो वर्ष 2022 से 11 अंकों की गिरावट है।
  - यह **2016 के बाद से सबसे कम आँकड़ों में से एक है**, जो राज्य के लिये लगातार चुनौती का संकेत देता है।
- **सबसे कम लिंगानुपात वाले ज़िले:**
  - गुरुग्राम: 859
  - रेवाड़ी: 868
  - चरखी दादरी: 873
  - रोहतक: 880
  - पानीपत: 890
  - महेंद्रगढ़: 896
  - हरियाणा विश्व स्वास्थ्य संगठन **द्वारा अनुशंसित आदर्श लिंगानुपात 950 से नीचे बना हुआ है।**
  - गुरुग्राम के खराब प्रदर्शन के लिये आंशिक रूप से जून से अगस्त 2024 के दौरान **राज्य पोर्टल पर तकनीकी समस्याओं को जिम्मेदार ठहराया गया, जिसके परिणामस्वरूप जन्म पंजीकरण कम हुए।**
- **बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान का प्रभाव** :
  - हालाँकि, **वर्ष 2020 में फिर से गिरावट शुरू हुई** और यह प्रवृत्ति आज भी जारी है।
  - **वर्ष 2015 में शुरू किये गए** "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" **अभियान ने वर्ष 2019 तक लिंगानुपात को बढ़ाकर 923 कर दिया** ।
- **सामाजिक एवं सांस्कृतिक चुनौतियाँ:**
  - हरियाणा में सामाजिक-आर्थिक कारकों और सांस्कृतिक मानदंडों के कारण **बेटों को प्राथमिकता** दी जाती है ।
  - परिवारों को बेटियों के भाग जाने से संभावित अपमान का डर रहता है, दहेज का बोझ लगता है तथा लड़कियों से सीमित आर्थिक लाभ की आशंका रहती है।
- **लिंग वरीयता का अंतर-राज्य प्रभाव:**
  - दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब और राजस्थान जैसे **पड़ोसी राज्य कथित तौर पर** कम कड़े नियमों के कारण **हरियाणा के निवासियों को अवैध लिंग आधारित गर्भपात के लिये आकर्षित करते हैं।**
  - इन राज्यों में अल्ट्रासाउंड ऑपरेटर कभी-कभी वित्तीय लाभ के लिये भ्रूण के लिंग की गलत जानकारी देते हैं।
- **लिंग परीक्षण का प्रवर्तन और चुनौतियाँ:**
  - **वर्ष 2005 से अब तक हरियाणा में अवैध लिंग निर्धारण पर अंकुश लगाने** के लिये लगभग 1,200 छापे मारे गए हैं, लेकिन सफलता दर में गिरावट आ रही है, क्योंकि जाँचकर्त्ता अधिक सतर्क हो गए हैं।
- **लिंग असंतुलन के सामाजिक परिणाम:**
  - विषम लिंगानुपात के कारण **हरियाणा में कई पुरुषों को विवाह योग्य साथी ढूँढने में कठिनाई होती है** तथा कुछ गाँवों में तो सैकड़ों अविवाहित पुरुष पाए गए हैं।
  - कुछ परिवारों में **उपेक्षा और** कुपोषण लड़कियों को असमान रूप से प्रभावित करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ या असमय मृत्यु हो जाती है।

कन्या भ्रूण हत्या एवं शिशु हत्या:

- भारत में कन्या भ्रूण हत्या की दर विश्व में **सबसे अधिक है।**
- कन्या भ्रूण हत्या का कारण **पुत्र प्राप्ति की प्रबल चाह, दहेज प्रथा तथा उत्तराधिकारी की पितृवंशीय आवश्यकता है।**
- **2011 की जनगणना में** 0-6 वर्ष आयु वर्ग में अब तक का सबसे कम लिंगानुपात 914 दर्ज किया गया है, जिसमें 30 लाख लड़कियाँ लापता हैं; वर्ष

2001 में यह 78.8 मलियिन से बढ़कर वर्ष 2011 में 75.8 मलियिन हो गया।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/haryana-records-lowest-sex-ratio